Roll No. ..... Total Printed Pages - 7

F-3477

M.A. (Previous) Examination, 2022

HINDI

PAPER THIRD

(आधुनिक हिन्दी काव्य)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks:100*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिएः **10×3 =30**

(क) वेदने, तू भी भली बनी।
पाई मैंने आज तुझी में अपनी चाह घनी।
नई किरण छोड़ी है तूने, तू वह हीर-कनी,
सजग रहूँ मैं, साल हृदय में, ओ प्रिय-विशिख-अनी!

ठंडी होगी देह न मेरी, रहे दृगम्बु, सनी,
तू ही उसे उष्ण रक्खेगी मेरी तपन-मनी!
आ, अभाव की एक आत्मजे, और अदृष्टि-जनी!
तेरी ही छाती है सचमुच उपमोचितस्तनी!
अरी वियोग-समधि, अनोखी तू क्या ठीक ठनी,

अथवा

दिग्दाहो से घूम उठे, या जलधर उठे क्षितिज तल के।
सघन गगन में भीम प्रकंपन, झंझा के चलते झटके।
अंधकार में मलिन भिन्न की, धुँधली आभा लीन हुई,
वरुण व्यस्त थे, घनी कालिमा स्तर-स्तर जमती पीन हुई।

(ख) मैं क्षितिज-भृकुटि पर घिर धूमिल
चिन्ता का भार बनी अविरल
रज-कण पर जल-कण हो बरसी,
नव जीवन-अंकुर बन निकली!
पथ को न मलिन करता आना,
पद-चिन्ह न जाता जाना,

सुधि मेरे आगन की जग में

सुख की सिहरन हो अन्त खिली!

अथवा

द्वीप है हम! यह नहीं है शाप। यह अपनी नियति है।

हम नदी के पुत्र हैं। बैठे नदी की क्रोड में।

वह बृहत भूखंड से हम को मिलाती है।

और वह भूखण्ड अपना पितर है।

नदी तुम बहती चलो।

(ग) वह रहस्मय व्यक्ति

अब तक न पाई गई मेरी अभिव्यक्ति है,

पूर्ण अवस्था वह

निज-संभावनाओं, निहित प्रभावों, प्रतिभाओं की

मेरे परिपूर्ण का आविर्भाव;

हृदय में रिस रहे ज्ञान का तनाव वह,

आत्मा की प्रतिमा।

अथवा

कई दिनों तक चुल्हा रोया चक्की रही उदास

कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उसके पास

कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गस्त

कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त।

2. मैथिलीशरण गुप्त जी रचित महाकाव्य 'साकेत' की रचना का मूल उद्देश्य क्या था? **15**

अथवा

'कामायनी' की दार्शनिक-चेतना पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

3. ''अज्ञेय प्रयोगवादी काव्यधारा के प्रणेता हैं, उनका सम्पूर्ण काव्य प्रयोगवाद की विशेषताओं से ओतप्रोत है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **15**

अथवा

नागार्जुन के काव्य में प्रकृति के रूपों का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः **4×5=20**

(1) अयोध्या सिंह उपाध्याय का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(2) हालावाद क्या है? संक्षेप में बताइए।

(3) भवानी प्रसाद मिश्र की काव्यगत विशेषताएँ।

(4) शमशेर बहादुर सिंह की काव्य-भाषा।

(5) धूमिल की काव्य-चेतना पर प्रकाश डालिए।

(6) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की भाषा-शैली।

(7) केदारनाथ अग्रवाल के काव्य में निहित प्रगतिशील दृष्टिकोण।

(8) माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व और कृतित्व।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **बीस** अति वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **20**

(1) 'साकेत' में कितने सर्ग हैं?

(2) 'कामायनी' में किस रस की प्रधानता पाई जाती है?

(3) निराला की पहली काव्य-रचना कौन सी है?

(4) 'कला और बूढ़ा चाँद' किसकी रचना है?

(5) 'कुरुक्षेत्र' किसकी रचना है?

(6) 'खुल गए छंद के बंध' किसकी पंक्ति है?

(7) किस कवयित्री को हिन्दी के विशाल मंदिर की वीणापाणि कहा गया है?

(8) 'यामा' किसकी कृति है?

(9) 'हमने पौधों से कहा' किसकी रचना है?

(10) 'तारसप्तक' के सम्पादक का नाम लिखिए।

(11) 'नदी के द्वीप' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(12) 'नींद के बादल', 'युग की गंगा और 'लोक तथा आलोक' किस कवि के काव्य संग्रह हैं?

(13) धूमिल का असली नाम क्या था?

(14) 'बादल को घिरते देखा है' कविता के रचनाकार कौन हैं?

(15) 'मैं उस जनपद का कवि हूँ' किस कवि का काव्यसंग्रह है?

(16) चाँद का मुँह टेढ़ा है' काव्यसंग्रह का प्रकाशन वर्ष बताइए।

(17) अज्ञेय को ज्ञानपीठ पुरस्कार किस काव्यसंग्रह में मिला?

(18) 'गीत फरोश' किसकी रचना है?

(19) 'मधुशाला के रचनाकार कौन हैं?

(20) ''साये में धूप'' गजल के गजलकार कौन हैं?

(21) 'कामायनी' में पहले सर्ग का क्या नाम है?

(22) कुकुरमुत्ता किसका प्रतिका?

(23) 'हमने पौधों से कहा' के लेखक का पूरा नाम बताइए।

(24) 'सागर मुद्रा' कविता किसकी है?

(25) 'साकेत' के अलावा मैथिलीशरण गुप्त की किसी एक कविता का नाम लिखिए।